

# SHANGHAI COOPERATION ORGANISATION (SCO)

## Relevance:

Iran and Belarus could soon become the newest members of the China and Russia-backed Shanghai Cooperation Organisation (SCO).

## About Shanghai Cooperation Organisation (SCO):

- The SCO is an **eight-member economic and security bloc** and has emerged as one of the largest transregional international organisations.
- **The eight permanent members of the SCO are:** China, Kazakhstan, Kyrgyzstan, Russia, Tajikistan, Uzbekistan, India and Pakistan.
- **Observer States of SCO:** Afghanistan, Belarus, Iran, and Mongolia.
- It was founded as Shanghai 5 at a summit in Shanghai in 2001 by the Presidents of Russia, China, Kyrgyz Republic, Kazakhstan, Tajikistan and Uzbekistan.
- The **aim of SCO** is to establish cooperation between member nations on:
  - Security-related concerns
  - Resolving border issues
  - Military cooperation
- The organisation has two permanent bodies — the SCO Secretariat based in Beijing and the Executive Committee of the **Regional Anti-Terrorist Structure (RATS)** based in Tashkent.
- **Official Languages:** Russian and Chinese
- **India and Pakistan** became its permanent members in 2017.

## Importance of SCO for India:

- Shanghai Cooperation Organisation is seen as an **eastern counterbalance to NATO**. With India being its member, it will allow the country to push effective action in combating terrorism and on issues related to security.
- With the presence of India and China, the world's most populous countries, **SCO** is now the organisation that has the **largest population coverage**.
- SCO membership also **bolsters India's status as a significant pan-Asian player**, which is boxed in the South Asian paradigm.
- In the absence of the SAARC summit, the SCO summit allows Indian and Pakistani leaders to meet informally on the sidelines.
- India's membership in SCO will strengthen **her position in Central Asia**.
  - It will also help the country's aim of regional integration and promote connectivity and stability across borders.
- Cooperation with China and Pakistan amid recent tense relations.
- India can make use of the RATS mechanism for Counterterrorism.

### Challenge:

- The presence of Pakistan and the dominance of China in the SCO limit India to a secondary role in the organisation.
  - **For Example:** Due to Pakistan- China in the SCO, India's ability to push the issue of terrorism gets limited, as Pakistan itself has indulged in a major proxy war with India.

### Way Forward:

- Positive outcomes from SCO will depend on how Indian diplomacy deals with its rivals in SCO.
- India will have to walk a thin diplomatic line and adopt a careful approach while engaging in the SCO.
- It has to take care of its interests and remain neutral on issues which are not directly related to it.

### RATS- SCO:

- RATS is a **permanent organ of the SCO** which serves to promote cooperation of member states against the **three evils** of **terrorism, separatism** and **extremism**.
- **Headquarters:** Tashkent, Uzbekistan.
- The SCO has **successfully nullified 600 would-be attacks** and extradited more than 500 terrorist through the RATS mechanism.
- The Directors of the Executive Committee of the SCO RATS are appointed by the Council of Heads of State for a term of three years.
- India assumed the Chairmanship of Council of Regional Anti-Terrorist Structure of SCO (RATS- SCO) from for a period of one year in October 2021.

# शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ)

## प्रासंगिकता:

ईरान और बेलारूस जल्द ही चीन और रूस समर्थित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सबसे नए सदस्य बन सकते हैं।

## शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के बारे में:

- एससीओ, आठ सदस्यीय आर्थिक और सुरक्षा ब्लॉक है और सबसे बड़े अंतर-क्षेत्रीय अंतरराष्ट्रीय संगठनों में से एक के रूप में उभरा है।
- एससीओ के आठ स्थायी सदस्य हैं:** चीन, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, भारत और पाकिस्तान।
- एससीओ के पर्यवेक्षक राज्य:** अफगानिस्तान, बेलारूस, ईरान और मंगोलिया।
- रूस, चीन, किर्गिज गणराज्य, कजाकिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपतियों द्वारा 2001 में शंघाई में एक शिखर सम्मेलन में इसकी स्थापना शंघाई 5 के रूप में की गई थी।
- एससीओ का उद्देश्य** सदस्य देशों के बीच सहयोग स्थापित करना है:
  - सीमा के मुद्दों का समाधान
  - सैन्य सहयोग
  - सुरक्षा सम्बन्धी समस्याएं
- इस संगठन के दो स्थायी निकाय हैं - बीजिंग में स्थित एससीओ सचिवालय और ताशकंद में स्थित **क्षेत्रीय आतंकवाद विरोधी संरचना (RATS)** की कार्यकारी समिति।
- आधिकारिक भाषाएँ:** रूसी और चीनी
- 2017 में, **भारत और पाकिस्तान** उनके स्थायी सदस्य बने।

## भारत के लिए एससीओ का महत्व:

- शंघाई सहयोग संगठन को **नाटो के लिए एक पूर्वी प्रतिसंतुलन** के रूप में देखा जाता है। भारत के सदस्य होने के साथ, यह देश को आतंकवाद का मुकाबला करने और सुरक्षा से संबंधित मुद्दों पर प्रभावी कार्रवाई करने की अनुमति देगा।
- दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देशों, भारत और चीन की उपस्थिति के साथ, **एससीओ अब सबसे बड़ा जनसंख्या कवरेज वाला संगठन है।**
- एससीओ की सदस्यता से एक प्रमुख अखिल एशियाई खिलाड़ी के रूप में भारत की **स्थिति भी मजबूत होती है**, जो दक्षिण एशियाई प्रतिमान में स्थित है।
- सार्क शिखर सम्मेलन की अनुपस्थिति में, एससीओ शिखर सम्मेलन भारतीय और पाकिस्तानी नेताओं को अनौपचारिक रूप से बैठक का अवसर देता है।
- एससीओ में भारत की सदस्यता से मध्य एशिया में इसकी स्थिति मजबूत होगी। यह क्षेत्रीय एकीकरण, सीमा पार कनेक्टिविटी और स्थिरता को बढ़ावा देने के देश के उद्देश्य में भी मदद करेगा।
- हाल के तनावपूर्ण संबंधों के बीच चीन और पाकिस्तान के साथ सहयोग।
- भारत आतंकवाद निरोध के लिए RATS तंत्र का उपयोग कर सकता है।

### चुनौती:

- पाकिस्तान की उपस्थिति और एससीओ में चीन का प्रभुत्व भारत को संगठन में एक गौण भूमिका तक सीमित कर देता है।
  - **उदाहरण के लिए:** एससीओ में पाकिस्तान-चीन के कारण, आतंकवाद के मुद्दे को आगे बढ़ाने की भारत की क्षमता सीमित हो जाती है, क्योंकि पाकिस्तान खुद भारत के साथ एक बड़े छद्म युद्ध में शामिल रहता है।

### आगे का रास्ता:

- एससीओ के सकारात्मक परिणाम इस बात पर निर्भर करेंगे कि भारतीय कूटनीति एससीओ में अपने प्रतिद्वंद्वियों के साथ कैसे व्यवहार करती है।
- भारत को एक सूक्ष्म कूटनीतिक रेखा पर चलना होगा और एससीओ में शामिल होने के दौरान सावधानीपूर्वक दृष्टिकोण अपनाना होगा।
- इसे अपने हितों का ध्यान रखना होगा और उन मुद्दों पर तटस्थ रहना होगा जो सीधे तौर पर इससे संबंधित नहीं हैं।

### RATS- SCO:

- RATS, एससीओ का एक स्थायी अंग है जो आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद की तीन बुराइयों के खिलाफ सदस्य देशों के सहयोग को बढ़ावा देने का काम करता है।
- **मुख्यालय:** ताशकंद, उज्बेकिस्तान।
- एससीओ ने RATS तंत्र के माध्यम से **600 संभावित हमलों को सफलतापूर्वक रद्द कर दिया है** और 500 से अधिक आतंकवादियों का प्रत्यर्पण किया है।
- एससीओ, RATS की कार्यकारी समिति के निदेशकों को तीन साल की अवधि के लिए राज्य प्रमुखों की परिषद द्वारा नियुक्त किया जाता है।
- भारत ने अक्टूबर 2021 में एक वर्ष के लिए SCO (RATS- SCO) के क्षेत्रीय आतंकवाद विरोधी ढांचे की परिषद की अध्यक्षता ग्रहण की।